This question paper contains **8** printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

212

B.Com. (बी.कॉम.)/III **D**

Paper XV — HINDI

प्रश्न-पत्र XV — हिंदी

(मानविकी वर्ग — वैकल्पिक प्रश्नपत्र

(हिंदी भाषा, साहित्य एवं साहित्येतिहास)

(प्रवेश-वर्ष 2006 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी :— प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक, NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) ऊँच-नीच का भेद न माने, वही श्रेष्ठ ज्ञानी है,

दया-धर्म जिसमें हो, सबसे वही पूज्य प्राणी है ।

P.T.O.

क्षत्रिय वही, भरी हो जिसमें निर्भयता की आग,

सबसे श्रेष्ठ वही ब्राहाण है, हो जिसमें तप-त्याग । 6

अथवा

रण केवल इसलिए कि राजे और सुखी हों, मानी हों,

और प्रजाएँ मिले उन्हें, वे और अधिक अभिमानी हों।

रण केवल इसलिए कि वे कल्पित अभाव से छूट सकें,

बढ़े राज्य की सीमा, जिससे अधिक जनों को लूट सकें।

(ख) 'आवेश राजनीति का दुश्मन है । राजनीति में विवेक चाहिए । विवेक और धीरज ।' प्रवचनीय मुद्रा में दा साहब ने जीवन के अनुभवों से निचुड़ा हुआ वाक्य उछाला । फिर कुछ क्षण रुककर हौसला बँधाते हुए बोले, 'आएगा पद पर बैठोगे तो पद की ज़िम्मेदारी स्वयं सब सिखा देगी ।'

'कहाँ रखा है पद-वद ! भूल जाइए अब सब । विरोधी दल के नेता इस घटना को ऐसा भुनाएँगे कि हम सब टापते ही रह जाएँगे । यह बिसू की नहीं, समझ लीजिए एक तरह से मेरी हत्या हुई है, मेरी ।' लखन ने खुले पंजे से छाती पीटकर आपनी हत्या की घोषणा करके दा साहब को दहला देना चाहा । 6

अथवा

जीवन के आदि और उत्कर्ष के बीच एक और सीढ़ी है—जीवन का पुरुषार्थ । अपराध क्षमा हो आचार्य, आपकी कला उस पुरुषार्थ को भूल गयी है । जब मैं इन मूर्तियों में बँधे रसिक जोड़ों को देखता हूँ तो मुझे याद आती है पसीने में नहाते हुए किसान की, कोसों तक धारा के विरुद्ध नौका को खेने वाले मल्लाह की, दिन-दिन भर कुल्हाड़ी लेकर खटने वाले लकड़हारे की ! ..... इसके बिना जीवन अधूरा है, आचार्य !

P.T.O.

2. 'रश्मिरथी' की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए । 8

अथवा

'रश्मिरथी' के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

3. 'महाभोज' उपन्यास का शिल्पगत विवेचन कीजिए । 8

अथवा

दा साहब की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

4. 'कोणार्क' में इतिहास और कल्पना के संयोग का निरूपण कीजिए। 8

अथवा

''धर्मपद युवा-पीढ़ी का आदर्शवादी, विद्रोही कलाकार है ।''
इस आधार पर उसका चरित्र-चित्रण कीजिए ।

5. ''अतीत के चलचित्र'' के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8

(*i*) साबिया के चरित्र की **दो** विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(*ii*) लेखिका नैनीताल क्यों और किसके साथ आई ?

(*iii*) बिंदा से लेखिका का क्या संबंध था ?

(*iv*) रामा अपना गाँव छोड़कर क्यों भागा था ?

अथवा

''क्या भूलूँ क्या याद करूँ'' के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8

(*i*) राधा और महारानी को क्या चिंता सताए जाती थी ?

(*ii*) बच्चन के मन में श्रीकृष्ण के प्रति आकर्षण क्यों था ?

(*iii*) श्यामा की विदाई में क्या अड़चन आ गई ?

(*iv*) नायब साहब कौन थे ?

6. (क) संतकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का निरूपण कीजिए । 10

अथवा

छायावाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए इसकी प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 5

(*i*) सूरदास

(*ii*) महादेवी वर्मा

(*iii*) पद्मावत

(*iv*) कामायनी

7. (क) किसी **एक** का पल्लवन कीजिए : 4

(*i*) नर हो न निराश करो मन को ।

(*ii*) जैसी संगत, वैसी रंगत ।

(*iii*) कलम तलवार से ज़्यादा ताकतवर है ।

(ख) निम्नलिखित अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3

मनुष्य के शरीर में मस्तिष्क ही सबसे ऊँचा और अत्यन्त आवश्यक अंग है, जिसके बिगड़ने पर मृत्यु ही उत्तम समझी जाती है । जिस प्रकार मनुष्य का मस्तिष्क उसकी

सब क्रियाओं का संचालन करता है तथा उदात्त भावनाओं और विचारों को पैदा करके उसे सन्मार्ग पर प्रेरित करता है; उसी प्रकार समाज का मस्तिष्क भी रहता है, जोकि उसके लिए आवश्यक है और जिसको अच्छी स्थिति में रखना अत्यन्त ही वांछनीय है ।

समाज का मस्तिष्क वे व्यक्ति कहलाते हैं, जो निसर्ग-सिद्ध शक्तियों का सम्यक् विकास कर अपने मस्तिष्क से उदात्त व सुन्दर विचार उत्पन्न करते हैं, तथा अपने अनुभव व ज्ञान द्वारा अच्छी योजनाएँ उपस्थित करते हैं, जिनको अपनाने से समाज सन्मार्ग में प्रवृत्त होकर अपने उद्दिष्ट तक पहुँच सकता है ।

(*i*) किसके बिगड़ने पर मृत्यु ही उत्तम समझी जाती है ?

(*ii*) समाज का मस्तिष्क कौनसे व्यक्ति होते हैं ?

(*iii*) किस मार्ग पर प्रवृत्त होकर समाज अपने लक्ष्य तक पहुँच सकता है ?

अथवा

हिंदी में अनुवाद कीजिए :

I have to bring to your kind notice about the building problem of this college. There are only seven class rooms in this college while we need at least fourteen. At present there are one thousand students on roll in this college who have sought admission to the various branches of art, sciences and commerce faculties. In such situations we find difficulties in providing class rooms for smooth teaching programme. It will be not out place to state that there is a huge old palatial building lying vacant in front of the college ground and if the department persue to have it on rent basis the problem can be solved. 6

(ग) . महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव का वर्णन कीजिए ।

अथवा

अपने क्षेत्र के पार्क की दुर्दशा के बारे में सम्पादक के नाम पत्र लिखिए । 6